● पढ़ो और गाओ :

२. मधुऋतु

–आनंद विश्वास

जन्म : जुलाई १९४९ शिकोहाबाद (उ.प्र.) **रचनाएँ :** मिटने वाली रात नहीं, पर कटी पाँखे, देवम, गरमागरम थपेड़े लू के, चिड़िया फुर्र
परिचय : आनंद विश्वास जी अंधविश्वास और मुश्किलों के बोझ से दबे जीवन के प्रति विद्रोही स्वर रखने वाले कवि हैं ।
प्रस्तुत कविता में कवि ने वसंत ऋतु में पृथ्वी पर होने वाले विविध परिवर्तनों का सजीव शब्दों में वर्णन किया है ।

सुनो तो जरा

यू ट्यूब/ऑडियो पर कोई कविता सुनो और आरोह-अवरोह के साथ सुनाओ ।

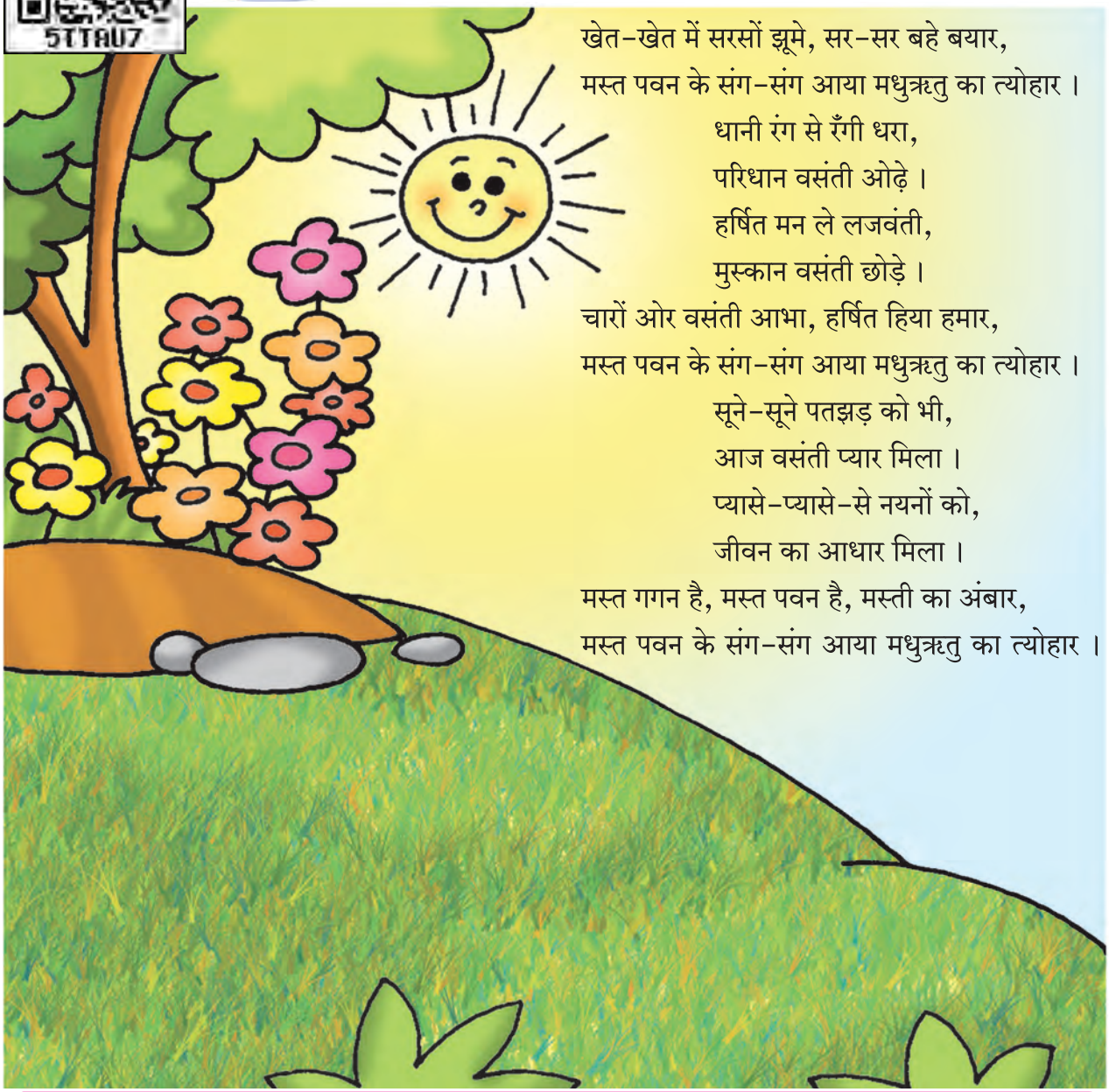

खेत-खेत में सरसों झूमे, सर-सर बहे बयार,
मस्त पवन के संग-संग आया मधुऋतु का त्योहार ।
धानी रंग से रँगी धरा,
परिधान वसंती ओढ़े ।
हर्षित मन ले लजवंती,
मुस्कान वसंती छोड़े ।
चारों ओर वसंती आभा, हर्षित हिया हमार,
मस्त पवन के संग-संग आया मधुऋतु का त्योहार ।
सूने-सूने पतझड़ को भी,
आज वसंती प्यार मिला ।
प्यासे-प्यासे-से नयनों को,
जीवन का आधार मिला ।
मस्त गगन है, मस्त पवन है, मस्ती का अंबार,
मस्त पवन के संग-संग आया मधुऋतु का त्योहार ।

❑ हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता का आदर्श पाठ करें । विद्यार्थियों से गुट में, एकल साभिनय कविता पाठ कराएँ। कविता में आए भावों को प्रश्नोत्तर के माध्यम से स्पष्ट करें । 'पृथ्वी' विषय पर आधारित अन्य कविता पढ़ने के लिए कहें ।

बताओ तो सही

अपने पसंदीदा मौसम से संबंधित चर्चा करो :

- मौसम का नाम
- कालावधि
- प्रकृति पर प्रभाव
- खान-पान के पदार्थ

ऐसा लगे वसंती रंग से,
धरा की हल्दी आज चढ़ी हो ।
ऋतुराज ब्याहने आ पहुँचा,
जाने की जल्दी आज पड़ी हो ।
और कोकिला कूक-कूक कर, गाए मंगल ज्योनार,
मस्त पवन के संग-संग आया मधुऋतु का त्योहार ।

पीली चूनर ओढ़ धरा अब,
कर सोलह शृंगार चली ।
गाँव-गाँव में गोरी नाचे,
बाग-बाग में कली-कली ।
या फिर नाचें शेषनाग पर, नटवर कृष्ण मुरार,
मस्त पवन के संग-संग आया मधुऋतु का त्योहार ।

❑ मौसम और ऋतुओं पर चर्चा करें । प्रत्येक मौसम और ऋतुओं के महीनों के नाम लिखवाएँ । वसंत ऋतु के समय प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों पर चर्चा कराएँ । वसंत ऋतु पर बारह से पंद्रह वाक्य/निबंध लिखने के लिए प्रेरित करें ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

मधुऋतु = वसंत ऋतु
धरा = पृथ्वी
परिधान = वस्त्र
अंबार = ढेर
हर्षित = प्रसन्न
हिया = हृदय
ऋतुराज = वसंत
मंगल = शुभ
ज्योनार = विवाह में भोजन के समय गाया जाने वाला गीत

जरा सोचो ..... चर्चा करो

यदि ऋतु परिवर्तन ना हो तो ....

विचार मंथन

।। सुंदरतम यह देश हमारा ।।

खोजबीन

दोहे लिखने वाले कवियों के नाम ढूँढ़ो और सूची बनाओ ।

अध्ययन कौशल

गणतंत्र दिवस पर वक्तृत्व के लिए टिप्पणी बनाओ :

- कब से प्रारंभ
- हमारा कर्तव्य
- मनाने की विधि

स्वयं अध्ययन

स्वातंत्र्यवीर सावरकर जी का 'जयोस्तुते' गीत चार्ट पर लिखो और समारोह में सुनाओ ।

वाचन जगत से

स्वामी विवेकानंद जी का कोई भाषण पढ़ो और मुख्य विचार लिखो ।

मेरी कलम से

दूरदर्शन पर देखे किसी 'कार्टून कथांश' का वर्णन अपने शब्दों में लिखो ।

* कविता के किसी एक चरण का अर्थ अपने शब्दों में लिखो ।

सदैव ध्यान में रखो

ऋतुएँ, प्रकृति और मानव के लिए वरदान होती हैं ।

भाषा की ओर

शब्दों के अर्थ शब्दकोश की सहायता से ढूँढ़ो तथा रिक्त गोलों में उचित शब्द लिखो :

* पत्तों की सरसराहट सुनकर हिरन देखते-ही-देखते ---------- हो गया ।

(पलायन, ओझल, विलुप्त)

* हमें साक्षात्कार लेने के लिए आपकी ---------- चाहिए ।

(अनुमति, विनती, आदेश)

* भरी सभा में अध्यक्ष जी की बात का सभी ने ---------- किया ।

(स्वीकृत, अनुमोदन, मान्यता)

* हर माँ के लिए उसकी संतान ---------- रत्न होती है ।

(अनमोल, बहुमूल्य, कीमती)

* भारतीय संस्कृति हमारी ---------- है ।

(अमानत, पूँजी, धरोहर)

* आजकल हर व्यक्ति भौतिक सुख-सुविधाओं का ---------- लेना चाहता है ।

(उपभोग, उपयोग, प्रयोग)

* अच्छे विचारों की ---------- रखने वाला व्यक्ति सबसे धनी होता है ।

(संपन्नता, अमीरी, ऐश्वर्य)

* बछड़ा अपनी माँ से मिलने के लिए ---------- हुआ जा रहा था ।

(बीमार, बेचैन, आकुल)